राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जनकपुरी, नई दिल्ली

दिनांक 15.02.2019

निविदा :नियम एवं शर्तें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार), का स्वायत्तशासीसंस्थान है। संस्थान द्वारा 15 पुस्तकों का पुनर्मुद्रण करवाया जाना है। पुनर्मुद्रण (उत्तम क्वालिटी) कार्य हेतु दो बोली निविदा (वित्त एवं तकनीकी) आमंत्रित की जाती है, निविदा के नियम एवं शर्तें निम्नवत् हैं-

1. इच्छुक मुद्रक/प्रकाशक (5 वर्षों का संस्कृत पुस्तक मुद्रण का अनुभव का प्रमाण पत्र संलग्न करें) निर्धारित रूप में मुहरबंद निविदा, प्रभारी (शोध एवं प्रकाशन विभाग) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, 56-57, इन्स्टीट्शनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 के नाम दिनांक 05/03/2019 को अपराह्न 2.00 बजे तक संस्थान में प्रेषित कर सकते हैं।

2. ग्रन्थों के पुनर्मुद्रण हेतु नमूना कार्यालय समय में (शनिवार, रविवार एवं अवकाश दिनों को छोड़कर) संस्थान के विक्रय अनुभाग में सायं 3 से 5 बजे तक देखा जा सकता है।

3. कवर डिजाइन संस्थान द्वारा निर्धारित है।

4. कागज 80 जी.एस.एम. का उपयोग करना अनिवार्य है तथा निविदा के साथ पेपर का नमूना भी संलग्न करें।

5. पृथक्-पृथक् पुस्तकों के न्यूनतम मूल्यअलग-अलग होने पर एक से अधिक निविदाकार को कार्यादेश प्रदान किया जाएगा।

6. मुद्रण कार्यादेश के दो माह के अन्दर पुस्तकें संस्थान के विक्रय विभाग में आपूर्ति करनी होगी तथा आपूर्ति हेतु व्यय का वहन मुद्रक द्वारा किया जाएगा।

7. पुस्तक की बाइंडिंग नमूने के अनुसार होगी। पुस्तकों की गुणवत्ता (मुद्रण, बाइंडिग, जिल्द कवर, साईज एवं अन्य) पूर्ववत् या बेहतर होगी।

8. कार्यादेश के एक माह के अन्दर बाइंडिग की हुई प्रत्येक पुस्तक की दो-दो नमूना प्रतियाँ प्रकाशन खर्च के साथ कार्यालय में प्रस्तुत करनी आवश्यक है। ताकि एन.बी.टी. द्वारा प्रकाशन खर्च का आकलन करवाया जा सके। नमूना प्रतियाँ सुपाठ्य न होने पर मुद्रणादेश निरस्त किया जाएगा।

9. एन.बी.टी. द्वारा आकलित या मुद्रक द्वारा प्रस्तुत प्रकाशन खर्च में से जो राशि कम होगी, उसका ही भुगतान नियमानुसार टैक्स कटौती के बाद किया जाएगा।

10. विगत 3 वर्ष का आई.टी.आर. संलग्न करें।

11. प्रत्येक पुस्तक को पारदर्शी पॉलीथीन में पैक करके आपूर्ति करनी होगी, जिसका वहन मुद्रक द्वारा स्वयं किया जाएगा।

12. कवर पर पुस्तक का नाम, विवरण नमूनाकार के अनुसार छापना आवश्यक है।

13. निविदा के साथ 10 हजार का बयाना राशि (Earnest Money Deposit) के रूप में डी.डी. या अकाउंट पेई चैक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के नाम भेजना होगा। (बयाना राशि जमा न करने पर निविदा निरस्त मानी जाएगी)।

14. फाईनेन्सियल बिड एवं मूल्य (Rate) अलग-अलग लिफाफों में प्रस्तुत करना होगा। इसके अभाव में निविदाकार की निविदा निरस्त कर दी जाएगी।

15. सफल निविदाकारों को कार्यादेश की राशि का 10% गारंटी राशि का राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.वि.), नई दिल्ली के नाम चेक निविदाकार को देना होगा (बयाना राशि घटाकर)। जिसे अन्तिम बिल में जोड़कर भुगतान कर दिया जाएगा। यह राशि बैंक गारण्टी के रूप में भी दी जा सकती है।

16. असफल निविदाकारों की जमा की गयी राशि वापिस की जाएगी।

17. समय पर पुस्तकें आपूर्ति न करने पर 1% प्रति सप्ताह के हिसाब से बिल में कटौती की जाएगी।

18. निविदा के सन्दर्भ में कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जनकपुरी, नई दिल्ली का निर्णय अन्तिम एवं सर्वमान्य होगा।

19. निविदा मूल्य प्रत्येक ग्रन्थ के प्रति पृष्ठ के अनुसार दिया जाए और इस प्रति पृष्ठ मूल्य में समस्त लागत (स्कैनिंग, छपाई, बांइडिंग, सिलाई, पैकिंग, कवर, संस्थान तक आपूर्ति तथा अन्य समस्त लागत समाहित हो)।

20. निविदा स्वीकृत होने पर निविदाकार को नियम व शर्ते रू.100/- के स्टैंप पर शपथ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जनकपुरी, नई दिल्ली
(शोध एवं प्रकाशन)

प्रकाशित की जाने वाली पुस्तकों का विवरण

क्र. सं.	पुस्तक का नाम	आकार	पृष्ठ	मुद्रण
1)	अलंकारसर्वस्वम्	(23X36/16)	220	500
2)	अष्टादशपुराणदर्पण:	(23X36/16)	434	500
3)	ईशाद्यष्टोत्तरशतोपनिषद:	(20X30/16)	582	500
4)	कल्किपुराणम्	(23X36/16)	140	500
5)	नारायणीयम्	(23X36/16)	386	500
6)	षट्त्रिंशत् तत्त्वसन्दोह: (अंक-13) भावोपहार: (अंक-14) पराप्रावेशिका (अंक-15)	(23X36/16)	104	500
7)	विष्णुसंहिता	(23X36/16)	404	500
8)	प्रथमादीक्षा (05 पुस्तकों का सेट)	(20X30/8)	952	15000
9)	द्वितीयादीक्षा (03 पुस्तकों का सेट)	(20X30/8)	860	10000
10)	संक्षेपरामायण	(20X30/8)	396	2000
11)	विदुरनीतिशतकम्	(20X30/8)	258	2000
12)	श्रीमद्भगवद्गीता (तृतीय भाग)	(20X30/8)	390	2000
13)	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय भाग)	(20X30/8)	738	2000
14)	भर्तृहरिनीतिशतकम् (पूर्वार्द्ध)	(20X30/8)	364	2000
15)	भर्तृहरिनीतिशतकम् (उत्तरार्द्ध)	(20X30/8)	440	2000